Government Degree college,

Bagaha, West champaran

Subject - Political Science
(Subsidiary)

Part - 1st

Important Topic

(Nature of modern Political science)

(आधुनिक राजनीति विज्ञान की प्रकृति)

H.O.D

Assistant professor
AJAY KUMAR
Ajaykumar

Scanned with CamScanner

आधुनिक राजनीति विज्ञान की प्रकृति

(NATURE OF MODERN POLITICAL SCIENCE)

आधुनिक राजनीति विज्ञान की प्रकृति परम्परागत राजनीति विज्ञान से अलग ही नहीं वरन् विपरीत भी है। इसकी प्रकृति को निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है।

आधुनिक राजनीति विज्ञान तुलनात्मक और विश्लेषणात्मक है। यह तथ्यों पर अत्यधिक बल देता है और वैज्ञानिक व आनुभविक दृष्टिकोणों का अनुसरण करता है। आधुनिक राजनीति विज्ञान की राजनीति के विषय में एक निश्चित सोच है और इसकी अपनी विशेष शब्दावली व अध्ययन पद्धति है। यह राजनीति की प्रक्रियाओं से अधिक संबंधित है, उसकी संस्थाओं से इसका सम्बन्ध बहुत कम है।

Scanned with CamScanner

आधुनिक राजनीति विज्ञान व्यक्ति को आधार मानते हुए उसके अन्तर्शास्त्रीय सम्बन्धों को अपने अध्ययन का विषय मानता है और आदर्शमूलक न होकर आनुभविक तथा कुछ सीमा तक प्रयोगात्मक है।

यह व्यक्ति तथा उसके व्यवहार के आधार पर राजनीति को समझने का प्रयास करता है और व्यक्ति के व्यवहारों को तथ्यों व आकड़ों में एकत्रित करके उनके विश्लेषण का प्रयास करता है। आधुनिक राजनीति विज्ञान व्यक्ति के व्यवहार का विश्लेषण करता है और विश्लेषण से प्राप्त परिणामों को राजनीतिक परिकल्पनाओं के साथ सम्बद्ध करता है। यह वैज्ञानिक पद्धति का गाम्भीरता से अनुसरण करता है और अपने अध्ययन में तथ्यों व मूल्यों को अत्यधिक महत्व देता है। यदि यह कहा जाये कि आधुनिक राजनीति विज्ञान शोध व सिद्धान्त का सम्मिश्रण है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

Scanned with CamScanner

राजनीति विज्ञान के आधुनिक विद्वानों का मानना है कि यह राजनीतिक घटनाओं का विश्लेषण करके उनकी व्याख्या प्रस्तुत करता है और उससे सम्बन्धित भविष्यवाणी करता है।

आधुनिक राजनीति विज्ञान शक्ति तथा सत्ता का अध्ययन करता है और राज्य की अपेक्षा राजनीतिक व्यवस्था के अध्ययन पर अधिक बल देता है। यह राजनीति विज्ञान का अन्य सामाजिक शास्त्रों से सम्बन्धों का विवेचन व अध्ययन करता है।

उपर्युक्त सम्पूर्ण विवेचन से स्पष्ट होता है कि राजनीति विज्ञान के आधुनिक विचारकों का मुख्य दृष्टिकोण यह है कि राजनीति विज्ञान का अध्ययन संस्थागत न होकर व्यक्तिगत होना चाहिए क्योंकि व्यक्ति और उसका व्यवहार ही राजनीतिक क्रिया का मूल आधार है।

Scanned with CamScanner

व्यक्ति का व्यवहार विधि और कानून की अपेक्षा सामाजिक तथ्यों, मनोभावनाओं आदि से अधिक प्रभावित होता है। अतः राजनीतिक क्रिया के अध्ययन में आधुनिक विचारक इतिहास, विधि अथवा दर्शन की अपेक्षा समाजशास्त्र, मनोविज्ञान एवं मानव-शास्त्र को अधिक वैज्ञानिक मानते हैं। उनके मतानुसार राज्य एवं शासन आवरण मात्र हैं, इनके पीछे जो यथार्थ है, वह व्यक्ति है आधुनिक विचारकों के मतानुसार अध्ययन एवं अन्वेषण की मूल इकाई व्यक्ति है, न कि राज्य अथवा सरकार।

'व्यक्ति' वास्तव में समस्त सामाजिक शास्त्रों का केन्द्र-बिन्दु है परन्तु व्यक्ति के राजनीतिक पहलू का मुख्य लक्ष्य शक्ति की प्राप्ति है। अतः आधुनिक विचारक राजनीति विज्ञान का केन्द्र-बिन्दु 'शक्ति' को मानते हैं।

उदाहरणार्थ, हेराल्ड लासवेल के मतानुसार, "राजनीति विज्ञान शक्ति में सहभाग प्राप्त करने तथा उसके निरूपण करने का अध्ययन है।" एक स्थान पर लासवेल लिखते हैं कि "राजनीति का विषय-क्षेत्र प्रक्रिया के रूप में शक्ति का अध्ययन करना है।"

Scanned with CamScanner